राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30-00 संख्या 29
नागराज और
तूतेनतू
PRATAP MULICK
RFN

संजय गुप्ता पेश करते हैं...
नागराज और तूतेनतू
लेखक : तरुण कुमार वाही
कला निर्देशक : प्रताप मुलीक
चित्रांकन : मिलिंद, कांबले
सम्पादन : मनीष गुप्ता
स्थान भारत! आजमगढ़। कभी आलीशान रही यह हवेली आज बाहर से बेहद खस्ताहाल है! हवेली के बारे में बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि इसके मालिक राजा वीर प्रतापसिंह की रूह आज भी हवेली में भटकती देखी जा सकती है!
कैसी होगी आज ये हवेली भीतर से! आइये! हवेली के भीतर चलकर देखें।
और यही वजह है कि हवेली की चर्चा तक होंठों पर आते ही लोगों के जिस्मों में मौत की सिहरन दौड़ जाती है।
© RAJA POCKET BOOKS

उफ! इतनी जबरदस्त चकाचौंध!
००० कि कुछ पलों तक आंखें खुली रख पाना भी असम्भव।
और जब खुलीं आंखें, तो भूल जाएं पलकें भी झपकना!
उफ!
उफ!
उफ!
आ हा हा हा हा! हीरों का चोर हूं मैं! चुराता हूं केवल हीरे! विश्व के छोटे-बड़े कई देशों के दुर्लभ और बेशकीमती हीरे मौजूद हैं मेरे इस ततेन-संग्रहालय में, जहां वीर प्रताप-सिंह के मेरे फैलाए भूत के डर से कोई नहीं आता-जाता।
लेकिन०००! ये सबके सब फीके हैं उन प्राचीन दुर्लभ हीरों के आगे, जो आज विश्व के दस देशों का गौरव बने हुए हैं। और जिन्हें केवल वही प्राप्त कर सकता है जिसने बना रखा हो मौत को अपना गुलाम!
मगर अब०००! विश्व को उनकी धरोहरों से वंचित करने आ रहा है ततेनत! आ हा हा हा हा ततेनत।
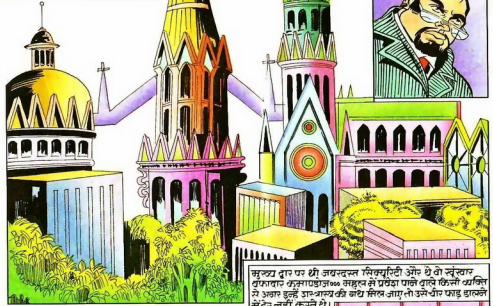
तीन फीट मोटी कंक्रीट और लोहे की "बम-निरोधक" दीवारों से निर्मित वह भव्य किला था एक छोटे से देश कौशिमा के जनरल सुब्बा का!
मुख्य द्वार पर थी जबरदस्त सिक्यूरिटी और थे वो खूंख्वार वफादार कमाण्डोज... महल में प्रवेश पाने वाले किसी व्यक्ति से अगर इन्हें शस्त्रास्त्र की गंध मिल जाए तो उसे चीर फाड़ डालने में देर नहीं करते थे।
तीन हैलीकॉप्टर समय-समय पर उड़ान भर कर पूरे किले के चप्पे-चप्पे की निगरानी करते हैं!
और जिनके एक संकेत पर हरकत में आ जाती है वो कमाण्डो टुकड़ी—
उस गैलरी में लगे कई क्लोज सर्किट टी.वी. कैमरों की निगाहों से बच कर निकल पाना असम्भव है।
जिनका सम्बंध किले के कण्ट्रोल रूम से है।

और यह सारी सिक्यूरिटी केवल जनरल सुब्बा के प्राणों की रक्षा के लिए नहीं थी -
खिड़की खोलो जाक्बा! ताकि भोजन भीतर फेंका जा सके।
ओ.के.
रोंगटे खड़े कर देने वाली गर्जनाओं से गूंज उठा वातावरण -- किसलिए थी वो जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था?
इनका भोजन जल्दी से खिड़की से भीतर डाल दो। वरना इनकी दहाड़ों से कानों के परदे फट जायेंगे।
उस रात्रि उस हैलीकॉप्टर के साथ ही उठा एक जिस्म भी -
हैलिकॉप्टर में मौजूद एक मात्र चालक को संभलने तक का अवसर न मिला --
अब तुम्हारा स्थान ग्रहण करने आ गया हूं मैं!
कौन था ये? जिसे अपनी जान प्यारी न थी।
मौत के जबड़े में हाथ डालने के लिए हैलीकॉप्टर में प्रवेश कर गया वो।
अगले पल किले की ओर झुक गया हैलीकॉप्टर।
अब मैं इस हैलिकॉप्टर को किले के मुख्य द्वार में प्रवेश कराऊंगा। हा हा हा
मौत को खुला निमन्त्रण दे रहा 'वो' शख्स क्या पागल हो गया था।
नीचे मची थी खलबली -
एक चीख गूंजी है।
ऊपर से किसी चीज के गिरने की आवाज गूंजी है।
कन्ट्रोल रूम को मैसेज भेजो। क्विक!
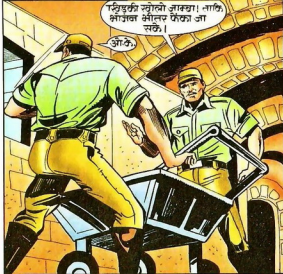
हैलीकॉप्टर को स्थिर कर दिया पहियों से लिपटे कालीन ने।

मैं मौत का आशिक हूं। हा हा हा। मौत भी मुझे मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती।

सिक्यूरिटी की एक व्यवस्था के परखच्चे उस हैलीकॉप्टर के साथ ही उड़ते चले गए।

जनरल सुब्बा की समस्त नसें तन गई थीं उस नकाबपोश को देख कर --

किले की घेराबंदी कर लो वह जो भी है, बच कर नहीं जाना चाहिए।

सर! वह अतिविशिष्ट क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है।

सहसा क्रूर चमक आ गई जनरल सुब्बा के चेहरे पर-

ये उसी चीज के चक्कर में लगता है, जिसे केवल वही प्राप्त कर सकता है जिसे मौत न मार सके।

और सर! उस कक्ष में प्रवेश करने के साथ ही मौत झपट पड़ेगी उस पर!

एक जबरदस्त घूंसे की चोट से उसने उस खिड़की को भीतर उछाल फेंका और--

ओह! इन शेरों के जबड़ों से बचे बगैर मैं उस चीज तक नहीं पहुंच सकता।

शेर उसे फाड़ खाने को बेताब थे।

तुम्हारा इन्तजाम भी है मेरे पास।

उसकी मशाल वाली कलाई चबा गया एक शेर--

गोलियों से उस शेर का पेट तो उसने भर दिया--

लेकिन--
उतर गया उसके चेहरे से नकाब।
सामने था तूतेनतू। मौत से घिरा होने के बाद भी जिसके चेहरे पर थी मुस्कान--
हा हा हा। मेरा नाम है तूतेनतू। नायाब हीरे को प्राप्त करने के लिये ये पीड़ा हंसते-हंसते सह जाऊंगा।
उफ! यह आदमी है कि शैतान--
हा हा हा। मौत खुद फंसेगी मौत के जबड़ों में।
अपनी मौत के जबड़ों को चीर दिया था तूतेनतू ने--
उफ! हमारी सारी-व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ा दी हैं उसने। वह उस चीज के निकट है। उसे रोकना होगा।
हा हा हा। मेरी मंज़िल मेरे सामने है।
तूतेनतू की मंज़िल थी वह हीरा। "नायाबी" बेशकीमती और दुर्लभ।
मेरी पहली सफलता।

नयाबी हीरे वाले कक्ष के बाहर ततैनत्त के स्वागत को आ पहुंचा था जनरल सुब्बा अपने कमांडोज के साथ –
दिखाई पड़ते ही गोलियों से छलनी कर दो। वह इसी रास्ते से बाहर निकलेगा क्योंकि भीतर जाने और बाहर आने का यही एकमात्र रास्ता है।
लेकिन बाहर आकर गिरी उस चीज को देखते ही हड़कम्प मच गया --
बम!
भागो
धड़ाम
गैलरी में भागता चला गया एक साया --
मुख्य द्वार से बाहर निकलते ही हुई गोली वर्षा --
वह भाग रहा है! भून डालो उसे।
KILL HIM!
KILL HIM!
और इस बार द्वार पर ही लुढ़क गया शैतान।

और पलक झपकते ही इकट्ठा हो गए कमाण्डोज उसके इर्द-गिर्द --
मर गया!
भयानक तबाही मचा दी थी इसने।
नायाबी पर कब्जा करो।
और तभी मौत का तूफान बरस पड़ा।
हा हा हा! नायाबी पर अब रहेगा केवल तूतेनतू का कब्जा।
और मेरा अगला शिकार होगा न्यू बैंक ऑफ अमेरिका लिमिटेड।
उफ धोखा!
आह
वहां खड़े हैलीकॉप्टर की टंकी ब्लास्ट करने के साथ ही दूसरे हैलीकॉप्टर पर उड़ता चला गया तूतेनतू --
सर! गोलियों से छलनी बना डाला था हमने उसे!
बेवकूफ! उसने बुलेट प्रूफ पहन रखी होगी, लेकिन मौत उससे कई बार मात खा गई?
कैसे? क्या रहस्य था?
न्यूयार्क! जहां प्रत्येक पल कोई न कोई अपराधिक घटना घट जाती है। न्यू बैंक ऑफ अमेरिका लिमिटेड ने अपने बैंक लॉकरों के प्रचार का एक अनोखा तरीका निकाला था--
BANK OF AMERICA LTD.
लुभा रहा था वो चलैंज भरा विज्ञापन!
न्यू बैंक ऑफ अमेरिका लिमिटेड
आमंत्रित करती है दिमाग के जादूगरों को बैंक की सिक्यूरिटी से बचकर बैंक की अमूल्य व दुर्लभ सम्पति
बल्यु कैट
हीरे तक पहुंचिए और प्राप्त कीजिए
500,000 डॉलर!
विज्ञापन द्वारा बैंक प्रबन्धक

नागराज---

NEWYORK AIRPORT
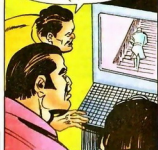
और ये है सूर्य की तरह जगमगाता ब्ल्यू कैट जिसे दिन में 10 बजे से 2 बजे तक देखने की व्यवस्था है।
इसकी चोरी असम्भव है।
कक्ष तक पहुंचना ही मुश्किल है।
और आज शाम सात बजे मंडरा रहा था वह हैलीकॉप्टर उस इमारत की छत पर।
हैलीकॉप्टर में मौजूद शख्स की सूरत ही भयानक गड़बड़ी की सूचक थी--
हीरा अभी मौजूद है न्यू बैंक ऑफ अमेरिका की इस इमारत में...
...लेकिन कुछ देर बाद ये होगा तूतेनतू के कब्जे में।
उन्नीसवीं मंजिल में प्रवेश किया तूतेनतू ने-
गैलरी में भागता चला गया शैतान।

राज कॉमिक्स

सक्रिय हो उठी थी बैंक की पूरी सुरक्षा व्यवस्था!
लॉकर-परिसर से हीरा उड़ाने की उसकी इच्छा उसे मौत के सुपुर्द करने जा रही है। उसे बचाना होगा, क्योंकि ब्ल्यूकैट बिजली की अदृश्य नंगी तारों से ढका है।
लॉकर परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार के उस हिस्से को तेज गति के साथ घूमता हुआ ड्रिलर लोहे के चूर्ण में बदल रहा था---
इसी के साथ सम्पूर्ण परिसर में गूंज उठा तेज अलार्म--

तूतेनतू प्रवेश कर गया भीतर! जहां मौत उसकी प्रतीक्षा कर रही थी।
ब्ल्यूकैट
लॉकर परिसर की ओर भागकर आते गार्ड्स ने भी देख लिया तूतेनतू को भीतर जाते--
नहीं! रुक जाओ मूर्ख! आगे बिछा है मौत का अदृश्य जाल!

मौत की तरफ हाथ बढ़ा रहा था वो शैतान और--
ओह! अदृश्य बिजली की नंगी तारें।

जबरदस्त झटका खाकर उछला वो, लेकिन
आ हा हा हा मेरी दूसरी सफलता।
तूतेनतू ने प्राप्त कर लिया दूसरा हीरा भी

डिल्स से गार्ड्स के चिथड़े व खून के थक्के उड़ाता--
फुर्र्र
••• तूतनतू बन्दरों की तरह उछलकर आ पहुंचा छत पर स्थित अपने हैलीकॉप्टर के निकट--
कोई सुरक्षा व्यवस्था मेरे लिए कैसी भी बाधा खड़ी नहीं कर सकती। हा हा हा।
और अगले ही पल विद्युत सी कौंध गई उसके जेहन में---
धुम्म
उफ!
आकाश में तारे निकलने में अभी देर थी, पर तूतनतू को दिखाई पड़ गये थे तारे।
कौन है रे तू?
नागराज
मुझे यहां पहुंचने में थोड़ी देर जरूर हो गई, लेकिन फिर भी मैं सही वक्त पर तुझ तक आ पहुंचा हूं।
तूतनतू! शैतान जल्दी से वह हीरा और खुद को मेरे सुपुर्द कर दे।
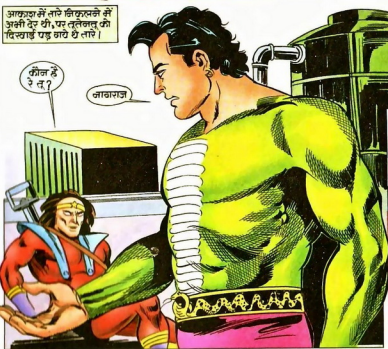
कड़ड़
मैं तुझे सुपुर्द करूंगा केवल तेरी मौत नागराज!
गलत! तू केवल यही हीरा मुझे सुपुर्द नहीं करेगा तूतेनतू, बल्कि कोशिमा के किले से चुराया हीरा भी तुझे मुझे सौंपना होगा।
उफ!
...जिसकी चोरी के विषय में अखबारों में पढ़ने के बाद ही मुझे पता चला कि तुम्हारा अगला शिकार न्यू बैंक ऑफ अमेरिका है।
नागराज! अगर ये हीरा तुझे सौंप दिया तो मेरा संग्रहालय अधूरा रह जायेगा।
सीढ़ियों के रास्ते ऊपर छत पर पहुंचने का द्वार जोर-जोर से भड़भड़ाया जा रहा था, लेकिन जंग में बाधा पड़ने के भय से नागराज ने ही उसे लॉक कर दिया था--
इसे तोड़ना भी मुश्किल है।
और बारूद लाने तक तो वो भाग जायेगा।
इधर भयानक तेजी का परिचय देते हुए नागराज पर ताबड़तोड़ फायर करता चला गया तूतेनतू---
नागराज! मेरे पास वक्त बिल्कुल नहीं है। अब मुझे जाना है नागमणि द्वीप पर। तीसरा हीरा लाने को। हा हा हा।
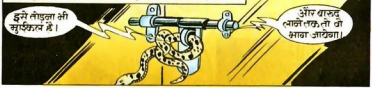
और नागरस्सी पर जबरदस्त ढंग से उछाल भरते नागराज की ठोकर से न बच सका तूतेनतू!
ठाक..
सैकड़ों फीट नीचे गिरते तूतेनतू की भयानक चीख गूंज उठी --
आऽऽऽ
नीचे गिरते हुए तूतेनतू को थाम लिया नागराज की नागरस्सी ने
तुझे इतनी आसानी से मर जाने दिया तो कोडीमा के किले से चुराया नायाबी मुद्रे वापस कैसे प्राप्त होगा?
नागरस्सी से जकड़ा खड़ा था तूतेनतू और ---
नागराज! अपने जिस्म का एक जर्रा भी हिलाया तो मैं पानी से भरी उस विशाल टंकी को फोड़ दूंगा!
मुझे जल्दी से स्वतन्त्र कर नागराज, क्योंकि अगर वो टंकी फट गई तो कई गैलन पानी इस इमारत से होकर नीचे आयेगा। और उन्नीसवीं मंजिल के जर्रे-जर्रे पर फैला करण्ट पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लेगा...
सैकड़ों-हजारों जिन्दगियों की मौत का जिम्मेदार केवल तू होगा नागराज!
अगर मैंने इसे अपने किसी सर्प सैनिक से डसवाया तो भी ये गोली चला सकता है।
उफ! मुझे इसे स्वतन्त्र करना होगा।
नागरस्सी समा गई वापस नागराज के जिस्म में।
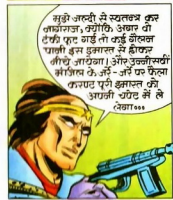
हैलीकॉप्टर पर उड़ चला तूतेनत्तू।
हा हा हा। नागराज! अब देख तूतेनत्तू का रास्ता काटने का परिणाम।
नहीं तूतेनत्तू! शैतान।
नागराज ने वहां पड़ी रस्सी को एक झटके से हैलीकॉप्टर की ओर उछाल दिया, जो लिपटती चली गई कॉप्टर के पंखे से।
ओह! यह नागराज चीज क्या है? कम्बख्त ने मरते-मरते भी मुझे संकट में डाल दिया।
बुरी तरह अनियंत्रित हुआ हैलीकॉप्टर बढ़ चला जमीन की ओर--
गगनभेदी धमाकों से गूंज उठा वातावरण--
धड़ाम
ठीक इसी पल टंकी का कई गैलन पानी छत की "मेंढों" को तोड़कर नहलाता चला गया उस इमारत को-
इधर नागराज उठता चला गया नागरस्सी पर--
गहरी शिकस्त दे गया मुझे तूतेनत्तू! उफ! क्या हजारों जिन्दगियां मेरे देखते-देखते खत्म हो जायेंगी।
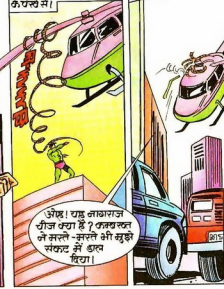
इमारत की उन्नीसवीं मंजिल की दीवारों से घातक करण्ट फैलता चला गया पूरी इमारत में --
BANK OF AMERICA
इमारत में गूंज उठी करुण चीखें।
बचाओ
आह
कैश! जहां प्रत्येक पल गूंजती थी नन्हें व मासूम बच्चों की किलकारियां थर्रा उठा अब दिल दहला देने वाली नन्हीं पुकारों से --
माँ
क... करण्ट! करण्ट आ गया है समूची इमारत ... आह
इमारत की प्रत्येक मंजिल पर मौत अपने भयानक जबड़े में कसती चली गई अपने शिकार --
बिल्डिंग को सैकड़ों की कब्रगाह बनते देख रहा नागराज बुरी तरह विचलित हो उठा।
उफ! समूची इमारत में करण्ट आ गया लगता है ...
BAM

...और सैकड़ों हजारों लोग बिल्डिंग में हैं।
और फिर आतंक में डूबे लोगों के सम्मुख प्रस्तुत हुआ हृदय झंझोड़ देने वाला दृश्य। ट्रक भर-भरकर भेजा गया लाशों को।
घायलों से पट गए अस्पताल।
खौफ की झुरझुरी ने जैसे जड़कर दिया था उसे।
नागराज की आंखों के समक्ष भी अंधेरा छा गया जब मासूम बच्चों के शव बाहर लाए गए!
नहीं-नहीं उफ! यह दृश्य नहीं देख सकता मैं। छाती फट जायेगी मेरी भी।
मेरा बच्चा। मेरा राहुल। आह!
उस वक्त तो अंतरिक्ष में नाच गया नागराज का मस्तिष्क, जब क्षतिग्रस्त हुए पड़े कॉप्टर से ततैनत को ही गायब पाया उसने!
इस महाहत्या काण्ड का महाहत्यारा ततैनत कहां गया?
मातम भरे उस वातावरण ने खलबली मचा दी थी नागराज के जिस्म के रोम-रोम में।
ततैनत की लाश का न मिलना क्या जाहिर करता है। कहां है वो? इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद कहां गायब हो गया वो शैतान?

इच्छाधारी-सर्पों का द्वीप, नागमणि द्वीप! जिसे सैकड़ों बरस पूर्व महात्मा कालदूत ने बसाया था और राजा मणिराज की मृत्यु के पश्चात जिसका सम्राट घोषित हुआ नागसम्राट-नागराज!
महात्मा कालदूत नागमणि द्वीप के विषय में जानने के लिए पढ़ें-"प्रलयंकारी मणि", "नागराज और कालदूत", "नागराज और नगीना का जाल।"

इस द्वीप पर इच्छाधारी सर्पों के अलावा किसी अन्य प्राणी को देखते ही द्वीप के रक्षा प्रहरी दे देते हैं मौत!
फिस्स
हिस्स
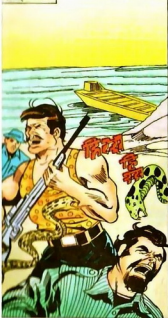
किंतु आज द्वीप पर दिखाई पड़ रही थी विशेष सुरक्षा व्यवस्था-
सजग रहो। अजगरी गुफा की पवित्रता भंग होने का भय है।

अजगरी गुफा! इच्छाधारी सर्पों का पवित्र स्थल।
भला यहां आकर मौत को गले लगाने का दुस्साहस कौन करेगा?

और इस सुरक्षा की व्यवस्था की थी खुद नागराज ने, जो आज द्वीप पर विसर्पी के साथ उपस्थित था।
नागराज, आखिर तुम बताते क्यों नहीं कि पवित्र अजगरी गुफा पर कैसा संकट आ सकता है?
बम्बई से अपनी शिक्षा समाप्त कर कुछ ही दिन पूर्व लौटी थी विसर्पी।
और यह कौन बढ़ा चला जा रहा था मौत के उस द्वीप पर --
हिस्स
हिस्स
फट
फट
आश्चर्य और दहशत का मिला-जुला रूप था वो प्राणी —
सुना है इस द्वीप पर केवल इच्छाधारी सर्पों को ही प्रवेश की अनुमति है। हा हा हा।
उफ! यह तो ततैनात है।
किंतु मैं न सिर्फ यहां प्रवेश ही करूंगा, बल्कि नागमणि द्वीप की पवित्र अजगरी गुफा में स्थित देवी के मस्तक से उड़ा ले जाऊंगा वो नायाब मणि भी हा हा हा हा हा।

गति से सरसराकर अपनी ओर आते सर्पों को देखकर फुर्ती के साथ पलट गया तूतेनतू--

आओ। आओ। तुम्हारा मलीदा बनाने को बेचैन है मेरी ये स्नेक-कटर मशीन।

हिस्स

काटता चला गया तूतेनतू उन सर्पों को-

आ हा हा हा। ऐसा प्राणी कभी नहीं देखा होगा तुमने जो देखता पीछे है। और मारता सामने है। हा हा हा।

इच्छाधारियों में खलबली मचाता आगे बढ़ा तूतेनतू--

अजगारी गुफा मेरा लक्ष्य है।

आह। कैसा यंत्र है ये, जो हमें बेबस कर के अपनी ओर खींच कर काट रहा है।

नागमणि द्वीप का सेनानायक शूलकंट अपने सर्प सैनिकों के साथ आ पहुंचा तूतेनतू के सामने।

खत्म कर दो इसे!

उधर नागराज वृक्ष से नीचे उतर आया था-
आओ विसर्पी! मैं एक बार फिर अजवारी गुफा तक द्वीप की व्यवस्था देख लेना चाहता हूं!
ओह! ठीक है नागराज!
और इधर अजवारी गुफा के बाहर स्थित पूरी सुरक्षा व्यवस्था को तहस-नहस करता...
इसी पल उस पर चारों दिशाओं से टूट पड़े मन्दिर के प्रहरी सर्प।
आह! आह! आह!
...तूतेनत तूफान की तरह प्रविष्ट हो गया अजवारी गुफा में।
तूतेनत ने काट-काटकर फेंक दिया उन्हें-
जा पहुंचा शैतान देवी के मस्तक तक-
क्षमा करना देवी। अब ये हीरा आपके मस्तक पर सुशोभित न रह सकेगा...
...अब ये अपनी छटा बिखेरेगा तूतेन संग्रहालय में! हा हा हा हा।

इधर एकाएक ही दहल उठा वातावरण—
कड़ड़ड़... कर्र... कड़... भ्र... घड़ड़ड़...
ओह!
सन्नाटा सा खिंच गया विसर्पी और नागराज के चेहरों पर—
ये तो प्रलय के लक्षण हैं, जो उन दिनों भी प्रकट हुए थे, जब टॉम और गोगा नामक दो मनुष्य पवित्र अजगरी गुफा से मणि लेकर फरार हो गए थे।
उफ! नागराज! क्या वो संकट आ गया है जिसके लिए तुम चिन्तित थे?
??
नोट:- टॉम और गोगा के विषय में जानने के लिये पढ़ें नागराज का एक जबरदस्त थ्रिलर कॉमिक्स - प्रलयंकारी मणि
आ पहुंचा बुरी तरह घायल शूलकंट—
न... नागराज! र... राज... कुमारी जी! आह!
उफ, ताम्बी! यह शूलकंट को क्या हुआ?
ये तो बुरी तरह घायल है।
वो शैतान तूतेनतू... अजगरी गुफा में... मणि... आह...
उफ! ताम्बी! इसे फौरन राजवैद्य के पास ले जाओ।
अजगरी गुफा से बाहर निकलते तूतेनतू की राह रोक ली कई अन्य सर्प सैनिकों ने—
तूतेनतू के रास्ते से हट जाओ मूर्खों।
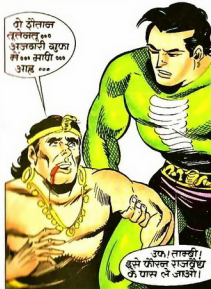
ठीक तभी अजगरी गुफा के ऊपर से कूदा नागराज और --
मुझे तेरी ही प्रतीक्षा थी तूतेनत!
धड़ाक
ओह! यह क्या?
तूतेनत! तूने न्यू बैंक ऑफ अमेरिका लिमिटेड की इमारत और नागमणि द्वीप में जानमाल की जो हानि की है, उसकी सजा बहुत भयानक देगा तुझे नागराज!
ओह! तू यहां भी आ पहुंचा!
रोमांच के कारण चीख निकल गई विसर्पी के मुंह से भी।
नागराज! इस दरिन्दे को जिन्दा मत छोड़ना। इसने अजगरी गुफा को अपवित्र किया है।
नागराज पर झपटा तूतेनत। नागराज उसके वार से फुर्ती से बचा -
इसका चेहरा पीठ की तरफ घूमा हुआ है फिर भी ये जीवित कैसे है?
आह!

नागराज से सामना करने के लिए तूतेनतू ने अपनी गर्दन को एक झटका देकर सीधा किया--
नागराज! पहली बार मुझसे मात खाने के बाद भी तेरे होश दुरुस्त नहीं हुए, जो यहां भी चला आया।
तूतेनतू! जब तक मैं तेरा अंत नहीं कर लेता, तब तक मैं तेरा पीछा नहीं छोड़ूंगा।
और--
ज़मीन से टकराकर चकनाचूर हो गए तूतेन के पैरों में फिट दोनों शस्त्र।
उफ!
खड़ाक
उठ खड़ा हो तूतेनतू! मेरे कई सवालों के जवाब तुझे देने हैं।
अगले पल नागराज को स्तब्ध कर दिया तूतेनतू ने--
आह! नागराज!
जा नागराज! वरना छोकरी की गर्दन धड़ से जुदा कर दूंगा।
विसर्पी को छोड़ दे कायर!

विसर्पी को ढाल बनाए पीछे हटता चला गया तूतेनत्त।
मैं तुझसे जंग करने में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहता नागराज! क्योंकि अभी मेरा मिशन पूरा नहीं हुआ।
मैं इसे अपने साथ ले जाऊंगा। और याद रख नागराज, मेरी अगली मंजिल है ब्रिटेन की राजकुमारी के ताज में जड़ा तोहिवर।
मेरी फिक्र मत करो नागराज! इसे रोको। अन्यथा गजब हो जायेगा।
बड़ी तेजी से आगे बढ़ गई बोट--
नागराज! वहां भी सफलता मेरे ही कदम चूमेगी। अगर तुझ में हिम्मत हो तो मुझे रोक लेना उस धरती से।
??
और तभी–
नागराज! उसे रोको अन्यथा नागमणि द्वीप पर प्रलय मच जायेगी। देवी का कहर टूट पड़ेगा द्वीप पर।
नागमणि और विसर्पी को शीघ्र ही वापस लाऊंगा मैं।
यह सब जानने के लिए पढ़ें-
प्रलयंकारी मणि।
ब्रिटेन। राजकुमारी लेडी हलेना के मस्तक पर शोभायमान था तोहिवर-
रात्रि में भी दिन का सा आभास करा रहा था वो दुर्लभ तोहिवर।
और अचानक, महल की सुरक्षा व्यवस्था एकाएक बढ़ा दी गई–
किसी भी व्यक्ति को बिना इजाजत महल में प्रवेश न करने दिया जाए।

चिन्तित हो उठी राजकुमारी हेलेना उस समाचार को सुनकर -

क्या? नागराज ने स्वयं फोन द्वारा यह समाचार दिया है?

जी हां राजकुमारी जी! आप चिन्ता न करें। तूतेनतू महल की सुरक्षा व्यवस्था को जीते जी नहीं भेद पायेगा।

और यह सच भी था।
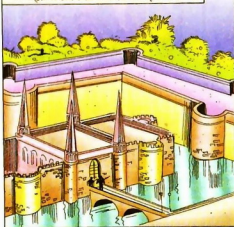
लेकिन रात्रि के सन्नाटे को भेदते उस अजीब इन्सान की सनक क्या करें, जिसका उद्देश्य ही ठोस सुरक्षा व्यवस्थाओं में छेदकर के अपने गन्तव्य तक पहुंचना था—

अब मगरमच्छ पाड़ लें उसकी पूंछ—

च च च! अगर आज तुम भूखे हो तो तुम्हें भूखे ही रहना पड़ेगा दोस्तो....

क्योंकि मैं तुम्हारे जबड़ों तक नहीं पहुंचने वाला। हा हा हा!

सीलन व बदबूदार पाइप में प्रवेश कर गया ततैनत्--

पहली तीन सफलताओं की तरह इस बार भी मुझे हासिल होगी केवल सफलता।

और-
अपना मकसद पूरा करने के लिए मैं "शैफ" भी बन सकता हूं। ही ही ही ही!
कुछ ही देर में पहुंच रही हैं राजकुमारी जी!
यह वक्त राजकुमारी लेडी हेलेना के डिनर का था--
प्लीज! डिनर शुरू कीजिए।
और आज लेडी हेलेना के साथ डिनर ले रहे थे स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के उच्चाधिकारी भी।
और उछल पड़ी हेलेना उस डोंगे का ढक्कन हटाते ही-
ओह माई गॉड! बम!
बम!
क्या?
इसी पल गूंज उठा वह खतरनाक स्वर!
नो! नो! कोई अपने स्थान से इंच भर भी हिला तो मेरे हाथ में थमे रिमोट का वह बटन दब जायेगा।
जिसका सम्बन्ध राजकुमारी लेडी-हेलेना के ठीक सामने रखे पॉवरफुल RDX EXPLOSIVES से है।

तुम सब अपनी जान के साथ-साथ राजकुमारी लेडी हेलेना की जान की सलामती भी अवश्य चाहते होंगे।
और मेरी शर्त है राजकुमारी के मस्तक पर सुशोभित वह हीरा तोहिनूर।
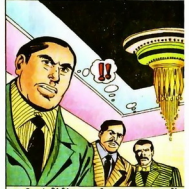
प्रत्येक चेहरे पर खिंच गया था सन्नाटा! जिस्म में दौड़ रही थी बेबसी और भय-मिश्रित झुरझुरी--
!!
सब की आंखों में था एक ही प्रश्न, अब क्या करें

मेरे पास अधिक समय नहीं है। मेलबौर्न के राष्ट्रीय संग्रहालय में रखा शालीमार मेरी प्रतीक्षा कर रहा है। राजकुमारी लेडी हेलेना! जल्दी करो मुकुट मेरी ओर उछाल दो।

मुकट को उतारने पर विवश हो गई राजकुमारी लेडी हेलेना-
तूतेनतू! महल से जिन्दा बचकर नहीं निकल पाओगे तुम! तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम•••
मुकुट के अलावा मैं दूसरी कोई बात नहीं सुनना चाहता। राजकुमारी जल्दी करो।

हमें अपनी जान की परवाह नहीं तूतेनतू। लेकिन इस समय हमारे साथ-साथ कई और जिन्दगियां भी दांव पर लगी हैं। यह लो मुकुट।

किन यह क्या? कुट को बीच राह में लपक लिया गरस्सी ने --
उसी क्षण के हजारवें भाग में ही निकल गया तूतेनतू के हाथ से वह रिमोट कन्ट्रोल भी-
अरे! मेरा रिमोट!
सबकी निगाहें उठती चली गईं ऊपर!
सब लोग बम और तूतेनतू से दूर हट जाएं।
नागराज!
नागराज यहां!

सिकुड़कर बाज की तरह छोटी हो गईं ततेनत्त की आंखें---
ठाक
नागराज आऽऽऊऽऽ
ततेनत्त! आज यहां तेरी एक नहीं चलेगी!
नागराज ने उछाल फेंका उसे।
आज तुझसे तेरा इतिहास पूछकर रहेगा नागराज!
आ ह!
राजकुमारी हेलेना को तुरन्त वहां से हटा दिया गया था--
मिस्टर। टॉम ऑल्टर। ततेनत्त को शीघ्र ही पकड़कर नागराज की मदद करनी चाहिए।
नहीं! नागराज शायद जंग में व्यवधान पसन्द न करे। समय की प्रतीक्षा करो। और महल का चप्पा-चप्पा घेर लेने का आदेश दो।
ततेनत्त ने डायनिंग टेबल पर पड़े बर्तनों को अपना शस्त्र बनाया--
नागराज! मुझे अपना काम कर लेने दे। वह मुकुट मुझे सौंप दे। तू मुझसे न जीत पायेगा।

छनाक
उफ! इसने तो बर्तनों की बौछार कर दी है।
नागराज ने उस ट्राली को बेहद तेजी के साथ धक्का दिया, और —
खड़ड़ड़
डायनिंग टेबल का दूसरा सिरा एक झटके से उखड़ा और बड़ी तेजी के साथ फिसल कर आया वह डोंगा।
और न जाने कैसे फट गया डोंगे में रखा वो शक्तिशाली बम।
धड़ाम
आह
तूतेनतू लड़खड़ाया और—

नागराज! अपनी लड़ाई आप में ही जल मरा तूतेनत् नाम का ये शैतान।
इसे इतनी आसानी से नहीं मरना चाहिए था...
...इसके एकाएक मर जाने से मेरी परेशानी बढ़ गई है।
विसर्पी के साथ नागमणि को कहां ढूंढूंगा मैं। उफ!
नागराज की पेशानी पर पड़े बल गहराते जा रहे थे।
तूतेनत् की वीभत्स लाश ले जाने को शीघ्र ही वहां ले आया गया एक ताबूत--
इसकी लाश को ताबूत में डाल कर इस कक्ष को पुलिस कार्यवाही होने तक बन्द कर दो।
यस सर!
तूतेनत् की लाश को ताबूत में डाल दिया गया--
एक विशेष कक्ष में नागराज से राजकुमारी लेडी हेलेना ने भेंट की।
राजकुमारीजी! यह रही आपके मस्तक की शोभा। आपका मुकुट।
राजकुमारी लेडी हेलेना ने अपने मस्तक पर सुशोभित किया वह मुकुट--
ओह! नागराज! ये शोभा आज केवल तुम्हारे कारण कायम हुई है।
फिर राजकुमारी हेलेना के जबरदस्त आग्रह पर उस रात्रि के अन्तिम बचे दो पहर तक नागराज ने महल में रुकना कुबूल कर लिया।

लेकिन आज की रात हंगामे की रात थी--
कड़ड़!
और हंगामा खड़ा हो रहा था उस ताबूत के अन्दर से।
और फिर रात्रि के अंतिम प्रहर महल में पुनः मचा हड़कम्प--
नागराज! नागराज! राजकुमारी लेडी हेलेना के मुकुट से तोहिनूर चोरी कर लिया गया!
नागराज तुरन्त पहुंचा उस ताबूत के निकट और खाली ताबूत देखते ही आंखें विचित्र अंदाज में गोल होती चली गई उसकी--
OH MY GOD लाश गायब!
तूतेनतू की लाश कैसे गायब हो सकती है?
मुकुट से तोहिनूर की चोरी के कारण बेहद विचलित दिखाई पड़ रही थी राजकुमारी लेडी हेलेना--
नागराज! मैं अपने शयन कक्ष में थी कि अचानक पीछे से किसी ने मेरे सिर पर चोट करके मुझे मार्छित कर दिया, जब मुझे होश आया तो मुकुट से हीरा गायब था।
भूल हमारी है नागराज! तूतेनतू की मौत के बाद हमने ही सिक्यूरिटी में थोड़ी लापरवाही करने की महान गलती कर दी थी।

और तब नागराज को मिली वह महत्वपूर्ण जानकारी भी!

नागराज! तुतेनत् मेलबोर्न के राष्ट्रीय-संग्रहालय का नाम ले रहा था!

ओह! इस जानकारी के लिए आपका विशेष शुक्रिया मिस्टर हडल!

तब नागराज ने राजकुमारी हेलेना और महल से विदाई ली।

आस्ट्रेलिया का एक खूबसूरत नगर-मेलबोर्न। शानदार नगर के बीचों-बीच स्थित थी राष्ट्रीय संग्रहालय की वह आलीशान इमारत!...

...जिसमें स्थित था दुनिया का नायाब हीरा शालीमार!

और अचानक ही न जाने क्या हुआ कि बेहद गोपनीय ढंग से "शालीमार" को राष्ट्रीय संग्रहालय से किसी अज्ञात स्थान पर स्थानांतरण किए जाने का फैसला कर लिया गया--

और किसका था वो साया, जो उसी कम्पार्टमेन्ट की छत पर दिखाई पड़ रहा था--

तूतेनतू ही था वो शैतान !

इस कम्पार्टमेन्ट के दोनों ओर के कम्पार्टमेन्ट में मौजूद हैं गार्ड्स।

पीछे छूट गया गार्ड्स वाला कम्पार्टमेन्ट-

सचमुच खतरे में था शालीमार!
इधर लांचर गन से कम्पार्टमेन्ट के दरवाजे की धज्जियां उड़ाता हुआ ततेनत आ गया भीतर --
ओह! वह रहा लॉकर, जिसमें होना चाहिए शालीमार।
ततेनत ने लॉकर के दरवाजे के भी परखच्चे उड़ा दिए थे।
वाह!
और ठीक इसी पल --
ततेनत शैतान यह हीरा नहीं ले जा पाएगा तू।

ओह! नागराज
मुझे चोरी से रोकने की तेरी पिछली कोशिश भी बेकार गई थी और इस बार भी तू असफल ही होगा।
तू मेरे लिए रहस्य बनता जा रहा है तूतेनतू, आज रहस्य की इस दीवार को तोड़ दूंगा मैं।
तूतेनतू ने नागराज को पटकी मारी--
नागराज! मेरा रहस्य जान लेगा तो तेरे तिरपन कांप जाएंगे। छक्के छूट जायेंगे तेरे।
नीचे गिरने के साथ ही नागराज ने फुर्ती के साथ तूतेनतू को ठोकर जड़कर उछाल दिया--

हक्का-बक्का रह गया नागराज वह दृश्य देखकर--
उफ!
हा हा हा हा
तुरन्त ही पुनः सामने आ गया ततेनत्--
मैंने कहा था न नागराज कि मेरा रहस्य जान लेगा तो तेरे पसीने छूट जायेंगे।
राजकुमारी हेलेना के महल में बम ब्लास्ट में उड़ गए थे इसके पेट के चिथड़े।
नागराज की कलाइयों से छूट निकले सर्प--
इसे रोकना तो होगा ही।
यह जीवित कैसे है?
विस्फारित निगाहों से देख रहा था नागराज ततेनत् को
फुस्स
फिस्स
नागराज के सर्प-सैनिकों ने जकड़ लिया ततेनत् को।
ओह! नागराज! क्या तुम मुझे बताओगे कि तुम्हारे जिस्म में सांप कहां वास करते हैं?
करारा जवाब दिया नागराज ने
ततेनत्! जहां तुम्हारे जिस्म में पलते हैं जुर्म के जीवाणु वहीं मेरे जिस्म में वास करते हैं मेरे सर्प सैनिक।

ठीक उसी पल रेल कन्ट्रोल चैनल केबिन से बदल दिया गया कांटा। और फंस के रह गया उसमें तूतेनतू का पांव।
ओह! यह क्या?
शालीमार की जल्त, करके के साथ ही चौंक पड़ा नागराज--
ओह नहीं। ट्रेन भी आ रही है। अगर ये मर गया तो एक बार फिर विसर्पी की तलाश के सारे रास्ते मेरे लिए बन्द हो जायेंगे।
सभी सर्प समा गए थे वापस नागराज के जिस्म में।
धड़धड़ाती हुई उसका पांव अलग करती गुजर गई ट्रेन--
तूतेनतू की चीख ने स्तब्ध कर दिया नागराज को-
नागराज! तू मुझे नहीं पकड़ पायेगा।

हैरत का इससे बड़ा झटका नागराज को अपने सम्पूर्ण जीवन में शायद कभी नहीं लगा था --
क्या बला है यह ततेनत?
नागराज की खोपड़ी के समस्त तार झनझना रहे थे।
और फिर अपने हैलीकॉप्टर में प्रवेश करता चिहुंक पड़ा नागराज।
यह क्या है?
विसर्पी सही-सलामत चाहिए तो शालीमार के साथ मेलबॉर्न टॉवर में मिलो। और ध्यान रहे। अकेले।
--- ततेनत।
और तभी हैलीकॉप्टर द्वारा वहां आ पहुंचे मिस्टर फ्यूजी-
नागराज! शालीमार कहां है?
शालीमार सुरक्षित है मिस्टर फ्यूजी और मैं इसे लेकर आपके पास ही आ रहा था।
लेकिन ततेनत एक बार फिर मेरे हाथों से बचकर निकल गया।
ओह! थैंक्यू वेरी मच। नागराज, आज तो लुट ही गया था मैं, अगर तुम यहां न पहुंच जाते।
किंतु नागराज, खतरा अभी टला नहीं है। क्योंकि ततेनत की शेष पिछली सफलताओं को देखते हुए लगता है कि वह उन नायाब व दुर्लभ हीरों को भी छोड़ेगा नहीं। जिनका जिक्र विश्व इतिहास की पुस्तक में है।
और तब--
मिस्टर फ्यूजी! क्या आप मुझ पर विश्वास करके शालीमार को कुछ दिनों के लिए मुझे सौंप सकते हैं?

नागराज! ऐसा कहकर तुम हमें शर्मिंदा कर रहे हो! शालीमार तुमसे बेहतर और कहां सुरक्षित रह सकता है।
थैंक्यू मिस्टर 'फरूजी'!
तूतेनतू के बताए स्थान पर पहुंचा नागराज--
नागराज! शालीमार को इस मूर्ति के हाथ पर रख दो।
??

नागराज ने जैसे ही शालीमार मूर्ति के हाथ में रखा, एक तेज चीख गूंज उठी--
नागराज! मुझे बचाओ! आह!
ओह! इसका मतलब विसर्पी मेलबोर्न टॉवर में है।
पहले मुझे विसर्पी को ही बचाना होगा!
काश! नागराज देख पाता किसी की उस हरकत को--

...जो किसी के भी रोंगटे खड़े कर देने के लिए काफी थी--
कचाक

नागराज भी उस दृश्य को देख लेता तो शायद होश उड़ जाते उसके--

कुछ ही देर में शालीमार था शायद इस सदी के सबसे रहस्यमय इन्सान के हाथ में--
शालीमार! हा हा हा! आखिर मैंने नागराज को विवश कर ही दिया इसे लाने को। ही ही ही।
ड्रेकुला सी खूनी चमक आ गई उसकी आंखों में!
अब जल्दी से मैं अपने इस हाथ को वापस सिल लूं। ही ही ही।
उधर नागराज मेलबॉर्न टॉवर के उस हिस्से तक जा पहुंचा जहां गूंज रही थी विसर्पी की दर्दनाक चीखें--
नागराज! मुझे बचाओ नागराज! आह!
उफ! धोखा।
एक कामयाब धोखा था वो-
शालीमार भी गायब।
नागराज! शालीमार लाने का बहुत-बहुत शुक्रिया। तुमने मेरी राह में कई बार कांटे बिछाए, लेकिन हर बार उन कांटों की चुभन भी तुमने ही सही। अब मैं जा रहा हूं अरब के शेख अब्दुल बिन जुलाब के महले-खास से नूर-ए-जहां को चुराने।
तूतेनत कुछ भी कर सकता है। मुझे अति-शीघ्र उस शैतान तक पहुंचना होगा ताकि नूर-ए-जहां को चुराने की उसकी कोशिशों को मैं असफल करके उसका अंत कर सकूं।

किंतु पहले मुझे शीघ्र ही मिलना होगा मिस्टर फ्यूजी से भी।
TELEFUNKEN
एक महान पेचीदा प्रश्न था नागराज के सामने तूतेनतू की मौत का।
नागराज उपस्थित था मिस्टर फ्यूजी के ऑफिस में--
मिस्टर फ्यूजी! मैं गायब हुए सभी हीरों का इतिहास जानना चाहता हूं। क्या आप इस मामले में मेरी मदद कर सकते हैं?
जरूर!
शीघ्र ही-
नागराज! इस लाइब्रेरी में तुम्हें विश्व इतिहास की बेहद दुर्लभ पुस्तकें भी मिल जायेंगी।
नागराज उलट रहा था उस बेहद प्राचीन पुस्तक के पन्ने।
बेहद खस्ता हो चुकी है ये पुस्तक।
सैकड़ों बरस प्राचीन खुदाई में निकले ये हीरे कभी भारत की ही सम्पत्ति थे। फिर अंग्रेजी शासन में सभी बेशकीमती बहुमूल्य पत्थर एक-एक करके लुटते चले गए! और ०००
नागराज। हीरों का रोचक इतिहास पढ़ता चला गया --
यकायक ही गोल हो गईं नागराज की आंखें-
००० और यह क्या? उफ! नहीं। विश्वास नहीं होता मुझे इस बात पर। किंतु ०००। विश्वास करना पड़ेगा। विश्वास करना पड़ेगा अब।
रहस्य व रोमांच के कारण नागराज के मस्तिष्क में फुलझड़ियां सी छूटने लगी थीं।

फिर मिस्टर फ्यूजी से आज्ञा प्राप्त कर नागराज उड़ चला अरब की ओर --
सबसे पहले मेरे सामने है नूर-ए-जहां की चोरी को रोकने का प्रश्न।
नागराज उपस्थित था अरब के शेख अब्दुल बिन जुलाब के उस आलीशान स्वागत कक्ष में---
नागराज! तुम्हारी सूचना के लिए शुक्रिया! किंतु जब मैं तुम्हें नूर-ए-जहां की सुरक्षा व्यवस्था दिखाऊंगा तो तुम्हें भी यकीन हो जायेगा कि नूर-ए-जहां को चुराना सीधे-सीधे अपनी मौत बुलाना है।
और ये है पहली सुरक्षा-व्यवस्था।
नूर-ए-जहां तक पहुंचने के लिए इस व्यवस्था से गुजरना होगा।
यानी, पानी से भरी एक किलोमीटर लम्बी टनल, जहां सांस लेने का कोई जरिया नहीं।
उसके बाद है ये व्यवस्था यानी एक ऐसा चैंबर, जहां फर्श पर बिखरे हैं अंगारे और जिसकी दीवारों और छतों तक में लगी हैं हॉटप्लेटस।
फिर ऑक्सीजन रहित चैंबर पार करने के बाद एक तेजाब के टैंक में मौजूद है नूर-ए-जहां।
कोई जीवित इंसान नूर-ए-जहां तक नहीं पहुंच सकता, किन्तु यदि किसी ने मौत को ही कर रखा हो अपने वश में तो?

इसके अलावा भी एक व्यवस्था ऐसी है जो हीरे के अपने स्थान से हटते ही स्वचालित ढंग से वहां से गुजरने वाले व्यक्ति को दे देगी एक भयानक मौत।

निसंदेह! इस सुरक्षा व्यवस्था को कोई पार नहीं कर सकता। मैं भी नहीं।

शेख साहब बताने लगे उसे अंतिम व्यवस्था के विषय में।

लेकिन यह क्या? ये कौन आ पहुंचा था नूर-ए-जहां तक --

हा हा हा! नूर-ए-जहां पर मेरा कब्जा हुआ।

ओह! मेरा हाथ। कोई परवाह नहीं नूर-ए-जहां को प्राप्त करने के लिए मुझे ये भी स्वीकार है।

और तभी-

तूतेनतू! सारी सुरक्षा-व्यवस्था भेद कर तू यहां तक तो आ पहुंचा है, पर अब एक नजर मुझ पर भी डाल ले।

ढाड़

यानी नागराज पर।
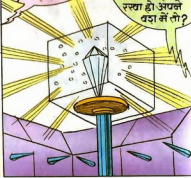
नागराज के आग्रह पर ही शेख साहब ने नागराज की वहां तैनात करने की व्यवस्था की थी।

तूतेनतू ने पूरी शक्ति से नागराज पर खींच मारा नूर-ए-जहां।

नूर-ए-जहां ले जाने से मुझे कोई नहीं रोक सकता नागराज।

नागराज की आंखों के समक्ष अंधेरा सा छा गया।

लड़खड़ा कर गिर गया नागराज। लम्बी दुमघोंटू-हुंकारें निकल रही थीं उसके मुंह से--

आह!

हम्फ... हम्फ नहीं। इस समय अगर मैंने हिम्मत हार दी तो सब कुछ समाप्त हो जायेगा। सब कुछ। हम्फ.. हम्फ..

और कामयाब हो गया नागराज उस चैम्बर को पार करने में।

हम्फ

उफ!

तूतेनतू पल भर को भी न रुका था अंगारों के फर्श को देखकर--

हा हा हा! नागराज! ये सुरक्षा व्यवस्थाएं मेरे लिए बाधाएं उत्पन्न करने को बनाई गई हैं, लेकिन अब ये बनेंगी तेरी दुविधाएं!

पीड़ा से जबड़े भिंच गए नागराज के अंगारों के फर्श पर पहुंचते ही।

ओह, आह!

शैतान तूतेनतू! तू बचकर न भाग सकेगा।

शीघ्र ही संभलकर तूतेनतू ने नागराज पर कर दी अंगारों की बारिश।

ये अंगारे तुझे जला कर भस्म कर देंगे नागराज!

पुनः भाग निकला तूतेनतू।

और हैरान रह गया नागराज वह दृश्य देखकर।

उफ! ये तो पार कर गया ये अंतिम व्यवस्था भी।

हा हा हा! नागराज बाय-बाय-टाटा!

उन भयानक लपटों ने जहां के तहां स्थिर कर दिए थे नागराज के कदम। विवशता से दांत पीसता रह गया नागराज।

भारत! स्थान आजमगढ़। राजा वीर प्रतापसिंह की हवेली से टकराकर हवा सांय-सांय कर बह रही थी—
हमेशा की तरह आज भी मनहूस दिख रही थी हवेली।
आजमगढ़ में राजा वीर प्रतापसिंह की हवेली।
और भीतर प्रवेश करते ही नागराज चकाचौंध हो उठा—
उफ! इतनी चकाचौंध
जो कि साबित कर रही है कि मैं ठीक जगह पर आ पहुंचा हूं।
हीरों का अतुल भण्डार देखकर विस्मित रह गया था नागराज।
दीवारें, छत व फर्श सभी हीरों जड़ी अहा।
इस खजाने से तो न्यूयार्क जैसा एक पूरा शहर खरीदा जा सकता है।
पूरी हवेली में नागराज बेरोक-टोक घूमता चला गया--
कहां है तूतेनत और कहां है विसर्पी?

फिर उस विशाल हॉल में प्रवेश करते ही चौंक पड़ा नागराज–
ओह! नायाबी, ब्ल्यूकेट, नागमणि, कोहिनूर और शालीमार।
इसी पल गूंज उठा वह स्वर–
नागराज
?
मैं सब कुछ जानता हूं तूतेनतू! लेकिन मैं सचमुच मजाक नहीं कर रहा। अगर मेरी यहां मौजूदगी भी तेरी आंखें नहीं खोल रही तो तू मूर्ख है तूतेनतू!
तूतेनतू ने लगाया एक खौफनाक अट्टहास
मुझे जीवित छोड़कर। हाहाहा। इसका मतलब तू मुझे मारेगा। आहा हाहा। नागराज तू नहीं जानता कि तू मुझसे बहुत बड़ा मजाक कर रहा है।
तूतेनतू! देख मैं यहां भी आ पहुंचा तेरे पीछे। और मैं यह बात अच्छी तरह से जानता हूं कि ये तूतेन-संग्रहालय छोड़कर न तू भागेगा और न तुझे जीवित छोड़कर जाने का मेरा कोई इरादा है।
तूतेनतू! तेरी भलाई इसी में है कि तू खुद को, विसर्पी और नागमणि को मेरे सुपुर्द कर दे।
ये सच कह रहा है। ये यहां कैसे पहुंचा? इसे आजमगढ़ में मेरे तूतेनतू संग्रहालय का पता कैसे लगा?

नागराज ने तूतेनत् को उछाल दिया सीढ़ियों पर–
अ आ आ
सीढ़ियों पर लुढ़कता चला गया तूतेनत्--
नागराज! मुझे मौत देते हुए तू थक जायेगा। हा हा हा!
आह! आह उफ!
लटककर बाजू तक झूल आए सिर को सीधा करने लगा तूतेनत्–
नागराज! आज तूतेनत् से तेरी आखिरी टक्कर होगी।
नागराज ने जकड़ दिया तूतेनत् को नागरस्सियों से।
सच कहता है तूतेनत्। और इस जंग में जीत किसकी होगी, ये भी तुझे जल्दी ही पता चल जायेगा।
तूतेनत् ने अलाव से उठा ली एक सुलगती हुई मशाल।
तेरे ये सांप आग की उष्मा भी सह सकते हैं या नहीं नागराज!
पीड़ा से हिसहिसाते सांप वापस समा गए नागराज के जिस्म में और–

नागराज ने देखी अपनी आँखों की विफलता और इसी पल –
हा हा हा! नागराज! मैंने कहा था न कि तू मुझे मौत देते-देते थक जायेगा! ले मैं एक बार फिर आ गया सामने।...
आह!
नागराज की ठोकर खाकर उछली वह –
ठाक
कुल्हाड़ी आकर गिरी तूतेनतू की टांग पर।
तड़ाक
नागराज! तेरे टुकड़े करूंगा तो तू उन्हें जोड़ न पायेगा।
मस्तिष्क चकरा गया नागराज का –
आहह ... इस पर मेरे सभी दांव बेकार साबित हो रहे हैं!

अपनी सिली हुई टेढ़ी-मेंढ़ी टांगों पर चलता हुआ तूतेनत् एक बार फिर आ गया नागराज के सामने–
हा हा हा! अपने भगवान को याद कर ले नागराज!
थड़थड़ाता हुआ निकला हीरों जड़ा वह विशाल गोला और–
धाड़
संभला भी न था नागराज कि नागराज की ओर बेहद तेज गति के साथ लपका वह चमचमाता डायमण्ड जेवेलिन–
आंधी की तरह झनझनाई वह डायमण्ड सोर्ड।
मैंने तेरा इतिहास पता कर लिया है नागराज! बहुत से अपराधियों को खत्म किया है तूने, मगर ये तूतेनत् है। तूतेनत्!
तीव्र गति से ही आ टकराया वह डायमण्ड वैपन
सनसना गई नागराज की कनपटी।
इस समय केवल मौत की चमक थी उसमें।
नागराज! तूतेनत् की हवेली में प्रवेश करने वाला हवेली से जीवित वापस नहीं निकलता!

इसी पल नागराज की कलाइयों से छूट पड़ी नागरस्सी पर हवा में उठ गया नागराज, और
जिस शैतान के घर में नागराज घुस जाता है, न ततेनत, तो वहां से भी शैतान जिन्दा नहीं, बल्कि मुर्दा ही निकलता है।
नागराज ने खींच लिया वह भाला और
भाले की कैद से निकलने को छटपटाने लगा ततेनत!
नागराज! तू मुझे भाले से नहीं मार सकता।
देखा नागराज! मैं जिन्दा हूं। हा हा हा।
उफ! कैसे कर पाऊंगा मैं इसका अंत?
नागराज के मुख से छूट पड़ी विषफुंकार –
पत्थरों को भी पिघला देने वाली मेरी विषफुंकार का इस पर क्या प्रभाव होगा।
नागराज की विफलता पर जमकर अट्टहास लगाता चला गया ततेनत
नागराज! तू अपना सारा विष भी मुझ पर उड़ेल दे तो भी तू मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
ये डायमण्ड बोन-ब्रेकर तेरी सारी हड्डियां हिला देगा।
नागराज ने हीरे जड़ी उस मूर्ति को ततेनत पर दे मारा--
मेरे संग्रहालय की इस तबाही का हर्जाना तेरी निश्चित मौत होगा नागराज! आह!

नागराज ने छत से लटकती हीरे की लड़ी तोड़ ली, और –
लेकिन अगले ही पल चारों ओर छितरा गए हीरे ही हीरे –
कड़ाक
घुटने पर चोट जड़कर नागराज ने तूतेनत् को फर्श पर उछाल दिया, और –
इसे रोकना तो होगा ही।
तड़प उठा तूतेनत्।
नागराज ने एक भरपूर झटके से तोड़ डाली तूतेनत् की बाजू --
तेरा वो हाल कर दूंगा तूतेनत् कि तेरा प्रत्येक अंग जिन्दा रहने के बाद भी केवल तड़पने के सिवाय कुछ न कर सकेगा।
तूतेनत् ने भरपूर शक्तिप्रदर्शन करते हुए अपने पास खड़ी अलमारी को नागराज पर धकेल दिया --
तीव्र गति के साथ तूतेनत् सीढ़ियां चढ़ता चला गया --
नागराज! तुझे समाप्त करने के लिए अभी मेरे पास एक ऐसी चाल है, जिससे तू बच न पायेगा।

नागराज आ पहुंचा उसके पीछे-पीछे और--
नहीं! रुक जा नागराज! वरना विसर्पी जिन्दा नहीं बचेगी।
अपना हाथ वापस सील चुका था वह।
विसर्पी?
नागराज!
हा हा हा! नागराज! अब तू मेरे हाथ से नहीं बचेगा।
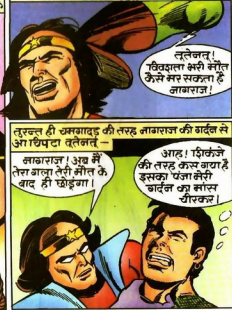
नागराज! वह गंडासा उठाकर तुझे अपना गला खुद काटना पड़ेगा।
बस तुझे थोड़ी सी पीड़ा होगी उसके बाद मैं वायदा करता हूं कि विसर्पी को छोड़ दूंगा।
नागराज को गंडासा उठाते देख चीख पड़ी विसर्पी।
नहीं नागराज ! ये सरासर मूर्खता होगी। एक मेरे प्राणों की रक्षा करने के लिए तुम नागमणि द्वीप की समस्त इच्छाधारी जाति के साथ अन्याय नहीं कर सकते।
नागराज का हाथ अपनी गरदन तक जा पहुंचा-
नागराज! नहीं! नागराज नहीं।
विलम्ब मत करो नागराज! बहुत कांटे बिछाए तूने मेरी राह में। तेरी मौत देखने को तरस रही हैं मेरी आंखें।
अचानक! जैसे विद्युत सी चमकी –
इधर नागमणि उछल कर आ गिरी विसर्पी के हाथों में।
ओह! पवित्र नागमणि।
और उधर नागराज की ठोकर खाकर उछला ततेनत –
ततेनत! विवशता भरी मौत कैसे मर सकता है नागराज!
तुरन्त ही चमगादड़ की तरह नागराज की गर्दन से आ चिपटा ततेनत –
नागराज! अब मैं तेरा गला तेरी मौत के बाद ही छोड़ूंगा।
आह! शिकंजे की तरह कस गया है इसका पंजा मेरी गर्दन का मांस चीरकर।

आंखें नम हो गईं विसर्पी की–
उफ! क्या मानवता व नागजाति का ये रक्षक इस शैतान के हाथों मारा जायेगा? नहीं।
हे नागमणि की धारक नागदेवी! नागराज की मदद कर। उसे शक्ति दे ताकि वो इस शैतान का अंत कर सके।
००० उसे शक्ति दे देवी मां! उसे शक्ति दे।
उफ! देवी अत्यन्त क्रोधित हो उठी है। प्रलय से कोई नहीं बचा पायेगा अब नागमणि द्वीप को।
देवी के मस्तक से छूट निकली वो प्रलयंकारी शक्ति–
दहल उठा वातावरण।
गड़गड़ा उठी बिजलियां–
और–
च्यूम
उफ! यह क्या?
नागराज की आंखों से निकली वो शक्ति मौत बनकर झपट पड़ी तूतेनतू पर–
किसी आलौकिक शक्ति का संचार होता महसूस हो रहा है मुझे अपनी आंखों में। उफ!
आह

भक्क से जल उठा तूतेनत्–
नहीं! मैं जल रहा हूं... ओह!
इसी पल चीख पड़ी विसर्पी–
नागराज! तूतेनतू का हाथ लीवर खींच रहा है।
ओह, नहीं।
खटाक
विसर्पी की कनपटी भेदने को दोनों ओर से तीव्र गति के साथ दौड़े पड़े वे हीरे।
धड़ड़
नागराज
बाज की तरह गंडासा झपट कर उसने काट डाले विसर्पी के बंधन–
बाल-बाल बची विसर्पी–
ठक
खिलांग
ठक
उफ! नागराज!

उस भाले की नोंक पर उठा लिया नागराज ने उस हाथ को –
खत्म हो गया इस शैतान का किस्सा।
नागराज, नागदेवी ने सुन ली मेरी पुकार।
नागराज ने तड़पते तूतेनतू के साथ ही आग की भेंट चढ़ा दिया वह हाथ–
और नागराज की उस जबरदस्त चोट से–
जय देवी मां!
भड़ाक
कोयला बन चुकी उसकी लाश दूर तक बिखर गई।
ओह! तो नागदेवी की शक्ति प्रविष्ट कर गई थी मुझमें, जिसके कारण समाप्त हो सका तूतेनतू!
पूरब से उदय हुआ सूर्य अपनी रश्मियां बिखेर कर परखच्चे उड़ाता चला गया हवेली पर लिपटे मनहूसियत के साये के।

फिर। विसर्पी के साथ उड़ चला नागराज--
नागराज! तुम तूतेनतू तक कैसे आ पहुंचे?
विसर्पी! मिस्टर फ्यूज़ी के संग्रहालय की लाइब्रेरी में मिली उस पुस्तक से मुझे आजमगढ़ में राजा वीर प्रतापसिंह की हवेली का पता लगा•••
•••और पता लगा अमरता की एक ऐसी दवा का, जो आजमगढ़ में उसी हवेली के किसी गुप्त तहखाने में होनी चाहिए थी।
••• है तो ये केवल अंधविश्वास की बात। लेकिन जब तूतेनतू कई बार मरने के बाद भी जीवित ही रहा•••
•••तो मुझे शक हुआ कि अवश्य ही उसने वह दवा प्राप्त कर ली थी, जिसे पीकर उसका शरीर अमर बन गया था। हां विसर्पी! तूतेनतू एक मुर्दा था, एक जिन्दा मुर्दा!
इस प्रकार पहुंचा मैं आजमगढ़ में स्थित राजा वीर प्रताप सिंह की हवेली में। और फिर तुम तक।
इधर नागराज की सूचना पर हवेली को भारी पुलिस फोर्स ने•••
•••अपने घेरे में ले लिया था-
सारा खजाना जब्त कर लिया गया। और विश्व की अमानतें विश्व को सौंपने की तैयारियां आरम्भ हो गई-
और इधर नागराज विसर्पी के साथ नागमणि द्वीप पर एक बार फिर प्रतिष्ठित कर रहा था नागमणि को-
नागराज! एक बार फिर तुमने नागमणि द्वीप की रक्षा की है।
सम्पूर्ण मानव जाति और नाग-जाति की रक्षा करना मेरा कर्तव्य है विसर्पी!
समाप्त